भारत सरकार

श्रम और रोजगार मंत्रालय

राज्य सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या- 110

गुरूवार, 29 जनवरी, 2026/9 माघ, 1947 (शक)

श्रमिकों का पुनः कौशल विकास

110. डा. के. लक्ष्मण:

क्या **श्रम और रोजगार** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या मंत्रालय ने विनिर्माण और सेवा क्षेत्रों में स्वचालन (ऑटोमेशन) और एआई की वजह से नौकरी विस्थापन पर कोई अध्ययन करवाया है;

(ख) विगत तीन वर्षों के दौरान विभिन्न योजनाओं के तहत लागू की गई पुनः कौशल विकास (रीस्किलिंग) और कौशल संवर्धन (अपस्किलिंग) पहलों का ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या एमएसएमई को श्रमिकों के पुनः कौशल विकास (री-स्किलिंग) के लिए लक्षित समर्थन प्राप्त होता है; और

(घ) श्रम कल्याण कार्यक्रमों में डिजिटल, हरित और भविष्य-कौशल प्रशिक्षण को एकीकृत करने के लिए क्या उपाय प्रस्तावित किए गए हैं?

उत्तर

श्रम और रोजगार राज्य मंत्री

(सुश्री शोभा कारान्दलाजे)

(क) से (घ): नैसकॉम की अगस्त 2024 में प्रकाशित "एडवांसिंग इंडियाज एआई स्किल्स" रिपोर्ट के अनुसार, भारत में एआई प्रतिभा के वर्ष 2027 तक 15 प्रतिशत चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर (सीएजीआर) से 6 लाख-6.5 लाख पेशेवरों से 12.50 लाख पेशेवरों से अधिक बढ़ने की उम्मीद है।

कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) से डेटा साइंस, डेटा क्यूरेशन आदि जैसे विभिन्न क्षेत्रों में रोजगार सृजन होने की संभावना है। अब तक, एआई/बिग डेटा एनालिटिक्स प्रौद्योगिकियों के 3.20 लाख अभ्यर्थियों सहित 8.65 लाख अभ्यर्थियों ने विभिन्न पाठ्यक्रमों में नामांकन/प्रशिक्षण लिया है। इसके अतिरिक्त, इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (एमईआईटीवाई) ने कृत्रिम बुद्धिमत्ता सहित 10 नई/उभरती प्रौद्योगिकियों में रोजगार के लिए आईटी कर्मियों की री-स्किलिंग/अप-स्किलिंग के लिए ' फ्यूचर स्किल्स प्राइम' कार्यक्रम शुरू किया है। इस कार्यक्रम के तहत अब तक 18.56 लाख से अधिक अभ्यर्थी फ्यूचर स्किल्स प्राइम पोर्टल पर जुड़े हैं, जिनमें से 3.37 लाख से अधिक अभ्यर्थियों ने अपना कोर्स पूरा कर लिया है।

इसके अलावा, एमईआईटीवाई द्वारा नासकॉम की साझेदारी से कार्यान्वित, कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) उत्कृष्टता केंद्र योजना के तहत, स्टार्टअप्स को विनिर्माण कंपनियों के उपयोग हेतु एआई आधारित टूल और एप्लिकेशन विकसित करने के लिए सहायता दी जाती है। कंपनियों द्वारा विनिर्माण क्षेत्र में ऐसे कई उपाय प्रयोग किए गए हैं। इसके अलावा, राष्ट्रीय ई-गवर्नेंस डिवीजन (एनईजीडी), एमईआईटीवाई ने अपने साझेदारों के साथ मिलकर स्कूली छात्रों के लिए 'युवाआई: एआई के साथ युवाओं की उन्नति और विकास' नामक एक राष्ट्रीय कार्यक्रम कार्यान्वित किया है जिसका उद्देश्य कक्षा 8वीं से 12वीं तक के स्कूली छात्रों को समावेशी तरीके से एआई तकनीक और सामाजिक कौशल प्रदान करना है। यह कार्यक्रम युवाओं को 8 विषयक क्षेत्रों- कृषि, आरोग्य, शिक्षा, पर्यावरण, परिवहन, ग्रामीण विकास, स्मार्ट सिटी तथा विधि और न्याय में एआई कौशल सीखने और प्रयोग करने के लिए एक मंच प्रदान करता है।

सरकार युवाओं को उद्योग जगत संबंधी कौशल से लैस करने और उन्हें उभरते तथा नए जमाने की नौकरी भूमिकाओं में प्रशिक्षित करने के लिए प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना (पीएमकेवीवाई), ऑन-द-जॉब ट्रेनिंग (ओजेटी) के साथ अल्पकालिक प्रशिक्षण (एसटीटी) और पूर्व शिक्षा की मान्यता (आरपीएल) के माध्यम से अप-स्किलिंग और री-स्किलिंग को कार्यान्वित कर रही है।

सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय ने सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम (एमएसएमई) क्षेत्र में कार्यबल के कौशल में सुधार हेतु विभिन्न कदम उठाए हैं। मंत्रालय उद्यमिता और कौशल विकास कार्यक्रम (ईएसडीपी), प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम (पीएमईजीपी), कौशल उन्नयन और महिला कॉयर योजना, एससीएसटी हब, प्रशिक्षण संस्थानों को सहायता (एटीआई) योजना, नवाचार प्रोत्साहन हेतु योजना, ग्रामीण उद्योग और उद्यमिता को बढ़ावा देने की योजना (एएसपीआईआरई) और देश भर में स्थापित प्रौद्योगिकी केंद्रों के माध्यम से प्रशिक्षण जैसे कार्यक्रमों तथा योजनाओं के जरिए कौशल विकास और उन्नत कौशल विकास कार्यक्रम संचालित करता है।

भारत सरकार का श्रम और रोजगार मंत्रालय, राष्ट्रीय करियर सेवा (एनसीएस) पोर्टल चला रहा है, जो निजी और सरकारी क्षेत्रों की नौकरियों की जानकारी, ऑनलाइन और ऑफलाइन रोजगार मेलों की जानकारी, नौकरी खोज और मिलान, करियर परामर्श, व्यावसायिक मार्गदर्शन, कौशल विकास पाठ्यक्रमों की जानकारी, कौशल/प्रशिक्षण कार्यक्रम आदि करियर से संबंधित सेवाएं एक डिजिटल प्लेटफॉर्म [www.ncs.gov.in] के माध्यम से प्रदान करने के लिए वन-स्टॉप समाधान है।

****